2nd language Hindi

class - vii

chapter 1- गाता खग

गाता खग कविता के कवि सुमित्रानंदन पंत हैं। वे प्रकृति में प्रकृति के सौंदर्य ही नहीं मानव जीवन के रूपों का भी दर्शन करते थे। उनका यह मानना था कि प्रकृति में जो भी मौजूद हैं सूर्य , तारे , समुद्र , चंद्रमा , पहाड़, नदियां यह हमारे जीवन में कुछ ना कुछ महत्व रखते हैं। कहने का आशय है कि पक्षी प्रतिदिन सुबह उठकर अपना घोंसला छोड़कर अपने पंख लहराते हुए खुले नीले आकाश में कलरव करता हुआ शोर करता हुआ उड़ता जाता है ।कवि का कहना है कि वे उस समय इन बातों को कहता है कि यह संसार बहुत सुंदर है और सुख देने वाला है । वे सुबह के समय अपने भोजन की तलाश में निकल जाते हैं और शाम के समय अपने घोसले की तरफ लौटते हैं ।और कवि यहां पक्षी के सुबह से शाम के बीच के अनुभव के बारे में कहा है संसार का जीवन कल्याणकारी और मधुरमय होता है। कवि आगे कहते हैं कि आकाश में रहने वाले तारों के समूह भी अपने अनुभव को बांटते हैं तारे कहते हैं कि संसार का जीवन बहुत सुंदर है नदी ,पेड़ ,पहाड़, समुद्र इन्हें देख कर तारों की आंखें भर आती है और प्रकृति की सुंदरता बखान करने के लिए उनके पास शब्द ही नहीं है । हमारी दृष्टि जब फूलों पर पड़ती है तो वे हमेशा मुस्कुराते रहते हैं। कवि कहते हैं कि हमारा यह जीवन फूलों की तरह थोड़े समय का होता है हमें अपने जीवन को संसार के उपकार में लगाना चाहिए । जिस तरह फूल हमेशा अपने रूप रंग खुशबू से सब को अपनी और आकर्षित करता है उसी तरह हमें भी ऐसे ही कार्य करना चाहिए लोग हमें हमारे मरने के बाद भी याद रखें। कवि कहते हैं की सागर की लहरें सागर पर बार-बार उठकर यह सिखाती है जीवन में हमें कभी निराश नहीं होना चाहिए । सागर की लहरें सागर पर उड़ती है कुछ आगे बढ़ने के बाद समाप्त हो जाती है पर वह कभी निराश नहीं होती लगातार प्रयास करती रहती है और एक समय ऐसा आता है कि वह सागर के किनारे को छू लेती है तब उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहता है। उसी तरह हमें भी कभी निराश नहीं होना चाहिए और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए: -

1. प्रातः काल पक्षी क्या गाता है?
2. प्रसन्नता पूर्वक आत्म बलिदान का प्रेरक कौन है?
3. करुणा का संदेश कौन देता है?
4. फूलों से हमें क्या संदेश मिलता है ?
5. इस कविता के कवि का नाम बताएं?
6. निरंतर प्रयत्न की प्रेरणा कौन प्रदान करता है?

ख. उठ - उठ लहरें कहती यह -
हम कुल विलोक ना पाएं
पर इस उमंग में बह-बह
नित आगे बढ़ती जाएं!

1. लहरें मनुष्य को क्या प्रेरणा देती है?
2. कूल, विलोक, उमंग शब्दों के अर्थ बताएं।
3. उपरोक्त पंक्तियों का भावार्थ लिखिए?

4. लहरें परेशान क्यों हैं?